बेजो शीतल समाचार

वर्ष – ९ अंक – ८

R.N.I.NO. MAHHIN/2002/5784 १ अगस्त २०१० POSTAL LICENCE NO. L/RNP/AGD/246/2008-2010

स्वातंत्रता दिवस की बधाई

Happy Independence Day

हमारे डीलर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स और किसान भाइयों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई। आज के इस पावन पर्व पर अपने देश को समृद्ध, आत्मनिर्भर तथा शक्तीशाली बनाने का प्रण कर लें। जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय तंत्रज्ञान इन नारों मे जय किसान इस नारे को सार्थक करने की जिम्मेदारी हम किसानों की है। यह तभी सम्भव हो सकेगा जब हम अपनी मिट्टी के साथ पूरी इमानदारीसे, नई तकनीक के सहारे से कडी मेहनत और सच्ची लगन का परिचय देते हुए खेती करेंगे। प्रो. खरे कहते है :

रोज सवेरे भोर से, काम करे प्रारंभ
उस हलधर भगवान से, खुशियों का आरंभ।
खेत और खलिहान को समझे जो भगवान
कृषकों में ही है बसी, सदा देश की शान।

आइये, अधिक उपजाऊ संकर बीज तथा नई तकनीक का दामन थाम कर अपने खेतों को हराभरा बनाए और देश को एक समर्थ राष्ट्र बनाएं।

सत्य-अहिंसा मार्ग पर, चलता भारत देश
इसीलिये सबसे अलग, इसका प्यारा वेश।

पुनश्च आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई तथा असंख्य शुभकामनाएं।

जय हिन्द।

HAPPY INDEPENDENCE DAY

We wish happy Independence Day to our Distributors, Dealers, Farmers and well wishers. Let us join hands to make our nation a prosperous, self sufficient and powerful nation of the world.

Prime Minister announces Rs. 25000 crore plan

Speaking at the 53rd meeting of the National Development Council Prime Minister Dr. Manmohan Singh announced a Rs. 25000 crore plan for new farm sector project by states, besides launching a food security mission to enhance output of wheat, rice and pulses. He added that small and marginal farming had become an unviable proposition and until farming was made viable at this scale, it will be impossible to reduce rural poverty and distress. The central Government will commit Rs. 25000/- crore in the next four years as it's share of funding for this major programme.

The Prime Minister also expressed concern over the use of new technologies for enhancing farm productivity. One feature that stands out is the lack of any breakthrough in agricultural production technology in recent years. There is technology fatigue which we need to address. Dr. Manmohan Singh said that reversing the prolonged slowdown in the agriculture sector is essential for our goal of inclusive growth, for ensuring that growth benefits all sections of society and all regions of the country.

बक्सों मे होके सवार चली रे जलवा मिर्ची इंग्लंड के द्वार चली रे।

लोणी भापकर के किसान श्री जाकिर तांबोळी ने अपने खेत में बेजो शीतल सीडस् प्रा. लि. की संकर मिर्च जलवा - बीएसएस ४१४ की दो एकड क्षेत्र मे फसल लगाई है। इस किस्म के पौधे ३ फीट की ऊंचाई तक बढे। रोपाई के ७५-८० दिन बाद उन्होने मिर्च की तुडाई शुरू की। फलों की लंबाई औसत १०-१२ सेंमी. और गोलाई १-१.२ सें.मी. रही। फलों की सतह मध्यम मुलायम थी। मिर्च का रंग फीका हरा रहा जो पकने पर लाल हो गया। मिर्च का स्वाद बहोत तीखा था। इस फसल को देख के बी.फार्म कंपनी काफी प्रभावित हुई और इस कंपनी ने इसे २७ रू. किलो के दाम से खरीदा और संकर मिर्च जलवा - बीएसएस ४१४ को इग्लंड देश को निर्यात किया। अब तक करीब १७ टन मिर्च इग्लंड पहुंच कर अपना जलवा दिखा रही है। इस कामियाबी पर श्री जाकिर तांबोळी को बेजो शीतल समाचार की ओर से बधाई।

Jalwa chilly exported to England

Mr. Zakir Tamboli, a progressive farmer of village Loni Bhapkar (Baramati, Maharashtra) has planted Hybrid Chilly Jalwa - BSS 414 in 2 Acres at his farm. The plants gained a height of 3'. He got first picking in 75-80 days after transplanting. The average length of the fruits was 10-12 cm. with 1-1.2 cm. width. It's surface was medium smooth. Uunripefruits were of light green to green in colour which turned into red when ripe. It is a highly pungent variety. K.B. Farm company was so much impressed by this variety that it purchased it at Rs. 27/- per kilo. and exported it to England. Uptillnow 17 tonnes fruits of Jalwa Chilly is exported.

Bejo Sheetal Samachar congratulates Mr. Zakir Tamboli for this grand success.

इग्लंड भेजी जारही 'जलवा' बीएसएस ४१४ की पॅकिंग

संकर मिर्च जलवा बीएसएस ४१४ की फसल

संकर बैंगन की नई किस्मे

तारा : इस किस्म के फल फीके हरे रंग के तथा आकार लंबा होता है। फलों का औसत वजन ६०-१०० ग्राम होता है। उपज के लिये मशहुर यह किस्म हेक्टरी ५०-५५ टन के फल देती है। इसके फल गुच्छों मे लगते है। रोगों के प्रति यह किस्म सहनशील है।

बीएसएस ८६४ : बॅक्टेरियल विल्ट के प्रति सहनशील इस किस्म के पौधे फैले हुए होते है। इस पर गुच्छों मे फल लगते हैं। फलों का आकार अंडे जैसा, औसत वजन ६०-१०० ग्राम तथा रंग हरा होता है जिनपर हरी धारियां होती है। प्रति हेक्टर ५०-६० टन की उपज देने की क्षमता बीएसएस ८६४ मे है।

बीएसएस ९१४ : बॅक्टेरियल विल्ट के प्रति सहनशील इस किस्म के पौधे ९०-१०० सें.मी. तक बढते है। इसे खरीप रबी और हलकी गर्मी में लगाया जाता है। रोपाई के ६५-७० दिन बाद इससे आमदनी मिलने लगती है। इसके फलों का रंग काला होता है। जिनका औसत वजन ७०-९० ग्राम होता है। फलों का आकार अंडे जैसा गोल होता है। महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश मे यह किस्म पसंद की जाती है।

बीएसएस ७७० : रोगों के प्रति सहनशील इस किस्म के फल आयाताकार के होते है जिनका रंग काला होता है। यह प्रति हे. ५०-६० टन उपज देती है। फलों का औसत वजन ६०-३०० ग्राम रहता है।

बीएसएस ७९१ : प्रति हे. ५०-६० टन की उपज देने वाली इस किस्म के फलों का रंग गुलाबी होता है जिनका औसत वजन ६०-११० ग्राम रहता है। फलों का आकार मध्यम लंबा होता है। रोगों के प्रति यह सहनशील है।

बीएसएस ७९२ : मध्यम काले रंग के इस किस्म के फल होते है। फलों का आकार मध्यम लंबा होता है जिनका औसत वजन ६०-१५० ग्राम रहता है। रोगों के प्रति सहनशील यह किस्म प्रति हेक्टर ५०-५५ टन की उपज देती है।

बीएसएस ७९३ : इस किस्म के फल गुच्छों मे लगते हैं। फलों का आकार लंबा और पतला होता है। मध्यम काले रंग के फल होते है जिनका औसत वजन ६०-१०० ग्राम होता है। प्रति हेक्टर ५०-५५ टन की उपज देने वाली यह किस्म रोगों के प्रति सहनशील है।

ओल्ड इज गोल्ड

बीएसएस ६२४ : अंडेजैसे गोल इसके फल रहते हैं जिनका औसत वजन ६०-८० ग्राम रहता है। फलों का रंग जामुनी हरा होता है जिनपर सफेद धारियां होती है। यह कांटोवाली किस्म है जो रोगों के प्रति सहनशील हैं। यह हेक्टरी ५०-६० टन की उपज देती है।

बीएसएस ६३१ : मध्यम लंबे आकार के और सफेद रंग के इसके फल होते है। फलों का औसत वजन ५०-७० ग्राम रहता है। रोगों के प्रति सहनशील यह किस्म हेक्टरी ५०-६० टन की उपज देती है।

बीएसएस ३३२ : रोपाई के ५५-६५ दिन बाद इसकी तुडाई मिलने लगती है। गहरे जामुनी और चमकदार इसके फल होते हैं जिनका औसत वजन १५०-२५० ग्राम रहता है। बिना कांटों वाली यह किस्म खरीप, रबी और हलकी गर्मी मे लगाई जाती है। फलों का आकार अंडे जैसा गोल होता है।

बीएसएस ४३० : बिना कांटोवाली यह किस्म रोपाई के ६५-७० दिन बाद आपकी हथेली हरम करने लगेगी। जामुनी रंग के फलों पर सफेद धारियां रहेगी। अंडे जैसे गोल आकार के फल रहेंगे जिनका औसत वजन ८०-१२० ग्राम रहेगा। खरीप, रबी और हलकी गर्मी मे इसे लगाया जा सकेगा।

बीएसएस ४६५ : लंबे और गहरे जामुनी रंग के इसके फल रहेंगे जिनका औसत वजन ७०-१०० ग्राम रहेगा। रोपाई के ७०-७५ दिन बाद इसके फल मिलने लगेंगे। बिना कांटोवाली यह किस्म खरीप, रबी और हलकी गर्मी मे लगाई जाती है।

बीएसएस ४७२ : काटों वाली यह किस्म रोपाई के ६५-७५ दिन बाद तोडी जा सकेगी। अंडे जैसे आकार के इसके फल होंगे जिनका औसत वजन ५०-७० ग्राम रहेगा। फलों का रंग जामुनी रहेगा जिसपर सफेद हरी धारियां रहेंगी। इसे खरीप, रबी और हलकी गर्मी में लगाया जाता है।

बीएसएस ५१३ : इसके फल मध्यम लंबे और काले रंग के होते है। रोपाई के ६५-७० दिन बाद इसकी तुडाई शुरू होती है। कांटोवाले फल रहेंगे जिनका औसत वजन १५०-२०० ग्राम रहेगा। इसे खरीप, रबी और हलकी गर्मी मे लगाया जा सकेगा।

जनक : बिना कांटो वाली यह किस्म है जिसके फलों का आकार अंडे जैसा और रंग काला होता है। रोपाई के ७०-७५ दिन बाद इससे आमदनी मिलने लगती है। फलों का औसत वजन १५०-५०० ग्राम रहता है। इसे खरीप, रबी और हलकी गर्मी मे लगाया जाता है।

बीएसएस ६१९ : गहरे जामुनी रंग के और लंबे आकार के इसके फल होते हैं जिनपर कांटे नही होते। फलों का औसत वजन ८०-१२० ग्राम रहता है। खरीप, रबी और हलकी गर्मी मे लगाने योग्य यह किस्म रोपाई के ६५-७० दिन बाद उपज देने लगती है।

बीएसएस ६२० : बिना कांटोवाली इस किस्म के फल मध्यम लंबे और गहरे जामुनी रंग के होते है। फलों का औसत वजन ८०-१०० ग्राम रहता है। खरीप, रबी और हलकी गर्मी मे लगाई जानेवाली यह किस्म रोपाई के ६५-७० दिन बाद तोडी जासकती है।

संकर लौकी (दुधिया)

श्रमिक : दिल के मरीजों के लिए दुधिये का रस अमृत का काम करता है। इस किस्म के फलों की औसत लंबाई १.५ फीट होती है। बीज बोने के ६५ दिन बाद इसके फल तोडने लायक हो जाते हैं। फलों का रंग फीका हरा और आकार सिलिंड्रीकल होता है।

प्रतीक : दुधिये की इस किस्म के फलों का आकार सिलिंड्रीकल होता है जिनकी औसत लंबाई २.५ से ३ फीट रहती है। फलों का रंग फीका हरा होता है। बीज बोने के ७५ दिन बाद इसके फल तैयार होते हैं। फलों का औसत वजन ३ कि. रहता है।

कासीफल (पम्पकिन) : बीएसएस ७४९ राणा : इस किस्म के फल चपटे गोल होते हैं। पके फलों का रंग काला हरा होता है। इसका मगज संतरे जैसी झाग वाला पीला होता है। फलों का औसत वजन ५.५ से ६ कि. रहता है।

बीएसएस ७५० : इस किस्म के फलों का आकार गोल से मध्यम चपटा होता है। इसके फल पकने के बाद पीले हरे हो जाते है जिनका औसत वजन ५-६ किलो रहता है। इसका मगज संतरे जैसी झागवाला पीला होता है।

बेजो शीतल समाचार

१ अगस्त २०१०

संकर मिर्च बीएसएस ८०५ का पेटेंटेड बीज लगाईये

संकर मिर्च बीएसएस ८०५ का पेलेटेड बीज कंपनी ने तैयार किया है। बीज का आकार बडा हो जाने से आप इसे सीधा जमीन मे बोसकते है जिससे समय की बचत होती है। संकर मिर्च बीएसएस ८०५ खरीप और रबी मे लगाने योग्य किस्म है। इसके पौधे ८०-९० सें.मी. तक बढते हैं। इसके फल गहरे हरे रंग के होते हैं जिनका औसत वजन ७-८ ग्राम होता है। महाराष्ट्र तथा आंध्रप्रदेश विभाग के लिये यह उम्दा किस्म हैं। हरी और लालमिर्च की सूखी इन दोनों फसलों के लिये यह उपयुक्त किस्म है। यह देसी किस्म की एफ-१ किस्म हैं।

बीएसएस ३५५ : इस किस्म के पौधे ३ फीट तक बढते है। रोपाई के ७० दिन बाद इसकी पहली तुडाई मिलती है। ब्याडगी जैसी यह किस्म स्वाद मे तीखी हाती है। फलों का रंग गहरा हरा होता है जो पकने पर गहरा लाल होजाता है। फलों की औसत लंबाई १६ सें.मी. तथा गोलाई १.२ सें.मी. रहती है। इसकी त्वचा खुरदुरी होती है।

फूलगोभी अमेझिंग : अमेझिंग यह फूलगोभी की बडी ही कामियाब किस्म हैं। इसकी उपज ने सभी क्षेत्रों मे बढिया परिणाम दिये हैं। यह रोपाई के ७० दिन बाद तैयार होती है। इसके फल ठोस और बर्फ जैसे सफेद होते हैं। फलों का औसत वजन १ से १.५ कि. रहता है। इसे २ फीट × २ फीट के अंतर पर लगाया जाता है। फ्युजेरियम के पति सहनशील यह किस्म अगस्त से नवंबर के बीच लगाई जाती है।

संकर टमाटर बीएसएस ९०८ : यह मध्यमरूप मे बढने वाली (Semideterminate) किस्म हैं। इसके पत्ते नुकिले और गहरे हरे रंग के होते है। इसके फल गुच्छों मे लगते हैं। फलों का आकार चपटा गोल रहता है जिनका औसत वजन ८०-१०० ग्राम होता है। फलों का रंग लाल होता हैं। व्हायरस के प्रति यह किस्म सहनशील होती है।

संकर टमाटर बीएसएस ६८४ : फ्युझेरियम, टी.एल.सी. व्हायरस के प्रति सहनशील यह किस्म मध्यम रूपमे बढनेवाली (Semideterminate) किस्म हैं जो रोपाई के ६५ दिन बाद पहली तुडाई देती है। इसके फलों का रंग लाल, छिलका मोटा और औसत वजन १००-१२० ग्राम रहता है। खरीप और रबी के लिए यह उपयुक्त किस्म है।

अर्ज किया है

नजर मे ढल के उभरते हैं दिल के अफसाने,
ये बात और है दुनिया नजर न पहचाने।

हसना मना है..

प्रकाश : यार विकास, मेरी बीबी मायके गई हैं पर मै ये नही समझ पा रहा कि वो रोज सवेरे शाम मुझे फोन क्यूं करती हैं?
विकास : वो ये बताना चाहती हैं कि मुसीबत अभी टली नही हैं।

- Owned, Printed & Published by : S. Agrawal
- Printed at : Ajanta Printers, Kadrabad, Jalna.
- Published from : **Bejo Sheetal Seeds Pvt. Ltd.,** Bejo Sheetal Corner, Mantha Road, Jalna - 431 203 ☎(02482) 244000 (30 lines), Fax : 230398
- Editor : Shivkumar Baijal, E-mail : shiv.baijal@rediffmail.com
- E-mail : bejosheetal@hotmail.com
- R.N.I. No. MAHIN/2002/5784
- POSTAL LICENCE NO. L/RNP/AGD/246/2008-2010

Book-Post
Printed Matter

To, ______________________

____

____